

INHALT

Aus den »Fliegenden Blättern« und dem
»Münchener Bilderbogen« 11

| | |
|--|----|
| Liebesglut | 11 |
| Chor der Kahlköpfe | 12 |
| Lieder eines Lumpen | 12 |
| Liebesgeschichten des Jeremias Pechvogel . | 18 |
| Unglücklicher Zufall | 22 |
| Schreckliche Folgen eines Bleistifts | 23 |
| Trauriges Resultat einer vernachlässigten Erziehung | 27 |
| Die Mohrenträne | 32 |
| Metaphern der Liebe | 34 |
| Die Ballade von den sieben Schneidern . . . | 35 |
| Der zu wachsame Hund | 36 |
| Der Lohn einer guten Tat | 37 |
| Das Teufelswirthshaus | 39 |
| Das Lied von der roten Nase | 40 |
| Der Hahnenkampf | 42 |
| Die Rache des Elefanten | 43 |
| Der Bauer und sein Schwein | 44 |
| Die kluge Ratte | 45 |
| Zwei Stammbuchverse | 46 |
| Die unangenehme Überraschung | 46 |
| Der Bauer und das Kalb | 47 |
| Die Entführung aus dem Serail | 48 |
| Die feindlichen Nachbarn | 49 |
| Schmied und Teufel | 50 |
| Die Verwandlung | 51 |
| Die Folgen der Kraft | 52 |
| Katze und Maus | 53 |

Frühe Verse 55

| | |
|--|----|
| Die kühne Müllerstochter | 55 |
| Hans Hucklebein – der Unglücksrabe | 56 |
| Das Häschen | 60 |
| Das brave Lenchen | 61 |
| Der Sack und die Mäuse | 63 |
| Die beiden Schwestern | 64 |
| Der weise Schuhu | 66 |
| Das Glöcklein im Walde | 67 |
| Stiftungslied | 68 |
| Lied eines versimpelten Junggesellen | 69 |
| Trinklied | 70 |
| Liebeslust und Herzeleid | |
| Wilhelms von Osterkappeln | 71 |
| Chor der Nachtlichter | 73 |
| Romanze von einem Maler und einem | |
| Mägdelein | 74 |
| Rhadamant und Zamore | 76 |
| Klagelied eines Junggesellen | 79 |
| Für einen Porträtmaler | 80 |

Der heilige Antonius von Padua 81

Pater Filuzius 83

Dideldum 93

| | |
|---------------------------|-----|
| Individualität | 93 |
| Dilemma | 94 |
| Wankelmüt | 94 |
| Der Nöckergreis | 95 |
| Trinklied | 99 |
| Der Maulwurf | 100 |
| Romanze | 102 |
| Die Kirmes | 103 |

| | |
|--------------------------|-----|
| Der Zylinder | 106 |
| Summa summarum | 108 |
| Idiosynkrasie | 108 |
| Schlusschor | 109 |

Kritik des Herzens 111

Zu guter Letzt 153

| | |
|-----------------------------------|-----|
| Der Traum | 153 |
| Immer wieder | 155 |
| Zu zweit | 155 |
| Verlust der Ähnlichkeit | 156 |
| Teufelswurst | 157 |
| Ein Maulwurf | 158 |
| Der Wiedergänger | 158 |
| Auf Wiedersehn | 160 |
| Gut und Böse | 160 |
| Der Spatz | 161 |
| Oben und unten | 162 |
| Der Einsame | 162 |
| Spatz und Schwalben | 163 |
| Der Geist | 164 |
| Zu gut gelebt | 165 |
| Der Schadenfrohe | 166 |
| Schreckhaft | 167 |
| Fuchs und Gans | 167 |
| Bedächtig | 169 |
| Hund und Katze | 170 |
| Dunkle Zukunft | 172 |
| Abschied | 172 |
| Hinten herum | 173 |
| Lebensfahrt | 174 |
| Die Kleinsten | 175 |
| Gestört | 175 |
| Röschen | 176 |

| | |
|-------------------------------------|-----|
| Tröstlich | 177 |
| Duldsam | 178 |
| Der Knoten | 179 |
| Der Narr | 179 |
| Daneben | 180 |
| Der Begleiter | 181 |
| Erneuerung | 183 |
| Die Birke | 184 |
| Der Asket | 185 |
| Die Unbeliebte | 186 |
| Plaudertasche | 186 |
| Im Herbst | 187 |
| Der Philosoph | 187 |
| Befriedigt | 189 |
| Höchste Instanz | 189 |
| Es spukt | 190 |
| Der Ruhm | 191 |
| Beiderseits | 192 |
| Lache nicht | 192 |
| Die Welt | 193 |
| Überliefert | 193 |
| Die Mücken | 194 |
| Nicht artig | 195 |
| Unverbesserlich | 196 |
| Der Schatz | 196 |
| Der Kobold | 197 |
| Drum | 198 |
| Verstand und Leidenschaft | 199 |
| Der gütige Wanderer | 199 |
| Die Freunde | 201 |
| Reue | 202 |
| Der innere Architekt | 203 |
| Ungenügend | 203 |
| Die Teilung | 204 |
| Glaube | 205 |
| Scheu und treu | 205 |

| | |
|---------------------------------|-----|
| Strebsam | 206 |
| Kopf und Herz | 207 |
| Sonst und jetzt | 207 |
| Der kluge Kranich | 208 |
| Gemartert | 209 |
| Das Brot | 210 |
| Verwunschen | 212 |
| Querkopf | 213 |
| Zauberschwestern | 213 |
| Wie üblich | 214 |
| Fink und Frosch | 214 |
| Der Wetterhahn | 216 |
| Sehnsucht | 216 |
| Noch zwei? | 217 |
| Die Meise | 217 |
| Der alte Narr | 219 |
| Seelenwanderung | 220 |
| Pfannkuchen und Salat | 220 |
| Unberufen | 222 |
| Pst! | 223 |
| Bewaffneter Friede | 223 |
| Beschränkt | 224 |
| Die Schnecken | 224 |
| Geschmacksache | 225 |
| Die Schändliche | 226 |
| Die Tute | 226 |
| Die Affen | 227 |
| Durchweg lebendig | 228 |
| Nicht beeidigt | 228 |
| Nachruhm | 229 |
| Kränzchen | 229 |
| Die Seelen | 230 |

Schein und Sein 231

| | |
|----------------------------|-----|
| Zu Neujahr | 231 |
| Peinlich berührt | 231 |

| | |
|---------------------------------------|-----|
| Der Türmer | 232 |
| Was das Großmütterlein sang | 233 |
| Rechthaber | 235 |
| Gründliche Heilung | 235 |
| Das traurige Röslein | 236 |
| Erbauliche Bescheidenheit | 237 |
| Bös und gut | 238 |
| Frühlingslied | 239 |
| Immerhin | 240 |
| In trauter Verborgenheit | 241 |
| Verfrüht | 242 |
| Unbequem | 242 |
| Ich bin Papa | 243 |
| Lass ihn | 244 |
| Immerfort | 245 |
| Zwei Jungfern | 245 |
| Wiedergeburt | 246 |
| Nörgeln | 246 |
| Glückspilz | 247 |
| Tröstlich | 247 |
| Bis auf weiters | 248 |
| Unfrei | 248 |
| Frisch gewagt | 249 |
| Vertraut | 249 |
| Armer Haushalt | 250 |
| Versäumt | 250 |
| Entrüstet | 250 |
| Vergeblich | 251 |
| Gründer | 252 |
| Ärgerlich | 252 |
| So nicht | 253 |
| Gedrungen | 253 |
| Fehlgeschossen | 254 |
| Das Blut | 254 |